मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

अक्टूबर 2025

अटल सभागार में अंडमान निकोबार के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हुए आयोजन में वहां का लोकनृत्य प्रस्तुत करते छात्र–छात्राएं।

(खबर पेज 4 पर)

सीसीएसयू का पहली बार टाइम्स रैंकिंग में प्रवेश

पांच वर्ष में एक हजार शोधपत्रों के प्रकाशन पर मिली उपलब्धि, अब सभी रैंकिंग में शामिल हुआ विश्वविद्यालय

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पहली बार सीसीएसयू को टाइम्स वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भी स्थान मिला है। टाइम्स हायर एजूकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग–2026 में विश्वविद्यालय को 1201–1500 रैंक बैंड में स्थान मिला है। यह रैंकिंग विश्वविद्यालय को पिछले पाच वर्षों में एक हजार शोधपत्र प्रकाशित करने के बाद मिली है। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष सीसीएसयू को एनआईआरएफ यानी नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क में राज्य विश्वविद्यालयों में 41वीं और राष्ट्रीय स्तर पर 151–200 के रैंक बैंड में स्थान मिला था।

टाइम्स रैंकिंग में आवेदन की शर्तों में इस अहम बिंदु के साथ किसी भी वर्ष सौ से कम शोधपत्र नहीं होने की भी शर्त थी जिसे विश्वविद्यालय ने पूरा कर आवेदन किया और रैंकिंग बैंड में स्थान बनाने में सफल रहा। मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी गोरखपुर को भी इसी रैंकिंग बैंड में स्थान मिला है और दोनों के स्कोर भी बराबर हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय को 1501 रैंक बैंड में स्थान मिला है, जबकि वहां सीसीएसयू के 70 शिक्षकों के मुकाबले 400 शिक्षक हैं। इस उपलब्धि की जानकारी देने के बाद सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने बताया कि विश्वविद्यालय 27.3–32 समग्र स्कोर के साथ राष्ट्रीय स्तर पर रैंक पाने वाले 128 उच्च शिक्षण संस्थानों में 65वें स्थान पर है। यह सफलता शिक्षण, शोध गुणवत्ता, शोध वातावरण, उद्योग से आय व सहयोग और अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण के क्षेत्र में हुए सुधार के कारण मिली है।

कुलपति ने बताया कि यह तीन वर्षों की मेहनत है। 162 शोधपत्र कम थे। तब सभी शिक्षकों को न्यूनतम दो शोधपत्र प्रकाशित करने को प्रेरित कर योजना बनाई और सफलता मिली। उन्होंने कहा कि सीसीएसयू को सभी रैंकंग में शामिल करने का मिशन पूरा हुआ। अब इन रैंकिंग को बनाए रखने के लिए सतत गुणवत्ता को बनाए रखने की जिम्मेदारी शिक्षकों, शोधार्थियों और छात्रों पर है।

सीसीएसयू के शोध निदेशक प्रोफेसर बीरपाल सिंह ने बताया कि इस रैंकिंग में 115 देशों के 2191 शिक्षण संस्थानों को स्थान मिला है, जिनमें सीसीएसयू भी शामिल है। विश्व के शीर्ष 20 संस्थानों में जहां 11 अमेरिकी संस्थानों का प्रभुत्व रहा, वहीं भारत ने भी वैश्विक मंच पर उपस्थिति दर्ज कराई है। अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर भारत के सर्वाधिक उच्च शिक्षण सस्थानों को इस रैंकिंग में स्थान मिला है।

इम्पैक्ट फैक्टर में सीसीएसयू ने तोड़ा अपना ही रिकार्ड

शोध प्रकाशनों का इम्पैक्ट फैक्टर हर शिक्षण संस्थानों के लिए मायने रखता है। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में अग्रणी सीसीएसयू का इम्पैक्ट फैक्टर सबसे ऊंचा रहा है। अब तक फिजिक्स विभाग के प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा का शोध पत्र 31.7 इम्पैक्ट फैक्टर के साथ प्रकाशित हुआ।

अब जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग के प्रोफेसर शैलेंद्र कुमार शर्मा का अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट का शोध पत्र 45.5 इम्पैक्ट फैक्टर के साथ सेल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। करीब आठ वर्ष से चल रहे इस शोध में फ्रांस, ब्राजील, अमेरिका, आस्ट्रेलिया, चीन और भारत के वैज्ञानिक जुड़े हैं।

यह शोध गन्ने की उत्पत्ति खोजने के साथ ही उसकी ऐसी प्रजाति खोजने के लिए किया जा रहा है, जिससे चीनी के साथ ही ऊर्जा यानी बायो एनर्जी का स्रोत अधिक मिले, जिसका इस्तेमाल बायो फ्यूल में किया जा सके।

सीसीएसयू का संकेतक आधारित प्रदर्शन

संकेतक	स्कोर
शिक्षण	34.4
शोध वातावरण	11
शोध गुणवत्ता	45.8
उद्योग से सहयोग व आय	32.1
अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण	32.9

सुस्वागतम...

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में गुरुवार को रूस के चार प्रमुख विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल की सदस्य का तिलक लगाकर स्वागत करती छात्रा।

(खबर पेज 3 पर)

सीसीएसयू समेत नौ विश्वविद्यालयों के छात्र वियतनाम में पढ़ सकेंगे

परिसर संवाददाता

मेरठ। लखनऊ में प्रदेश के नौ विश्वविद्यालयों और वियतनाम के दो विश्वविद्यालयों के बीच सहयोग समझौता (एमओयू) किया गया जिसके तहत ये विश्वविद्यालय आपस में मिलकर ज्वाइंट व डुअल डिग्री कोर्स चलाएंगे, साझा रिसर्च करेंगे और स्टूडेंट व फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम भी चलाएंगे। वैश्विक मांग के अनुसार पाठ्यक्रम विकास व मिलकर नवाचार भी करेंगे।

राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की मौजूदगी में वियतनाम की यूनिवर्सिटी ऑफ इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस व ह्यूटेक यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के साथ उत्तर प्रदेश के नौ विश्वविद्यालयों ने एमओयू किया। इसमें इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी कानपुर, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय लखनऊ, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, लखनऊ विश्वविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर, मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी, प्रो. राजेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय प्रयागराज और चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ के बीच एमओयू किया गया। अब इन नौ विश्वविद्यालयों के छात्र आसानी से वियतनाम में पढ़ाई व शोध कर सकेंगे। कार्यक्रम में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय, मदन मोहन मालवीय विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति प्रो. जेपी सैनी आदि मौजूद रहे।

लखनऊ में वियतनाम के शिक्षण संस्थान के साथ समझौते के दौरान कुलाधिपति के साथ सीसीएसयू और अन्य विश्वविद्यालयों के पदाधिकारी।

सहायक आचार्य पद पर चयन : वनस्पति विज्ञान विभाग की शोध छात्रा दीप्ति तेवतिया का चयन हरियाणा लोक सेवा में सहायक आचार्य के पद पर हुआ है। विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने दीप्ति को बधाई दी है।

लोक गाथाओं से समृद्ध रही है भारतीय संस्कृति

राजनीति विज्ञान विभाग व भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद की ओर से मीडिया, लोकतंत्र और भारत विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

राजनीति विज्ञान विभाग में राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान बोलते प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग व भारतीय राजनीति विज्ञान परिषद की ओर से मीडिया, लोकतंत्र और भारत विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राजनीति विज्ञान विभाग के चाणक्य सभागार में अतिथि कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के राजनीति विज्ञान विभाग की आचार्य व यूजीसी के मालवीय मिशन नैनीताल की निदेशक प्रोफेसर दिव्या उपाध्याय जोशी ने कहा कि लोक गाथाओं और अन्य कलाओं के द्वारा भारतीय संस्कृति समृद्ध रही है। यह सभी भारतीय संचार व्यवस्था के महत्वपूर्ण वाहक रहे हैं।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के आचार्य प्रोफेसर सतीश कुमार ने कहा कि अमेरिका ने मानवाधिकार और महिला सशक्तिकरण की अवधारणा को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया। उन्होंने खाप पंचायत का उदाहरण देते हुए कहा कि मीडिया द्वारा खाप पंचायत का दुष्प्रचार किया गया जबकि खाप द्वारा एक सामाजिक व्यवस्था और नैतिक मूल्यों का संरक्षण होता रहा है।

विशिष्ट अतिथि जामिया मिलिया इस्लामिया के आचार्य नेल्सन मंडेला शांति अध्ययन केंद्र के आचार्य प्रोफेसर असलम खान ने कहा कि भारत में आलोचना को सदैव महत्व दिया गया है, परंतु विमर्श के माध्यम से पत्रकारिता ने लोकतंत्र को कमजोर किया है।

मुख्य अतिथि भारतीय पर्यावास केंद्र के निदेशक प्रोफेसर केजी सुरेश ने कहा कि उपभोक्ता जब तक अपने प्रयासों से मीडिया को व्यवसायिक उद्योगों से आजाद नहीं करता तब तक नागरिक हितों की बात करना बेमानी होगा।

प्रोफेसर संजीव कुमार शमां ने सभी विद्यार्थी व शोधार्थियों से आग्रह किया कि सभी विषयों का एक समावेशी अध्ययन आवश्यक है। सभी विषयों का एक समावेशी अध्ययन ही भारत के विकास की आधारशिला बनेगा।

महिला सशक्तिकरण के तहत 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत लाटरी प्रक्रिया द्वारा विभाग की छात्रा रितिका चौधरी को एक दिन के लिए राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया। रितिका चौधरी ने बतौर विभागाध्यक्ष इस संगोष्ठी में सहभागिता की।

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने विषय से अवगत कराया।

मीडिया की दुनिया से रूबरू हुई छात्राएं

तिलक पत्रकारिता स्कूल एवं जनसंचार स्कूल के भ्रमण पर आईं बिजनौर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की छात्राएं अपने विद्यालय और सीसीएसयू के शिक्षकों के साथ।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिजनौर की 400 से अधिक छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण कर मीडिया जगत की कार्यप्रणाली को करीब से जाना।

इस भ्रमण का उद्देश्य छात्राओं को समाचार निर्माण की प्रक्रिया और पत्रकारिता के विविध आयामों से अवगत कराना था। भ्रमण के दौरान छात्राओं ने अखबार निर्माण की पूरी प्रक्रिया–समाचार संकलन, संपादन और लेआउट तैयार करने का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रयोगशाला में उन्होंने एंकरिंग, समाचार प्रस्तुतीकरण और वीडियो एडिटिंग की बारीकियां सीखीं। वहीं रेडियो प्रोडक्शन स्टूडियो में छात्राओं ने ऑडियो रिकॉर्डिंग और प्रसारण तकनीक की जानकारी ली।

विभाग की लैब, लाइब्रेरी और स्टूडियो का भ्रमण कर छात्राओं ने मीडिया से जुड़े उपकरणों को नजदीक से देखा और जाना कि एक छोटी–सी खबर के पीछे कितनी मेहनत, तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता होती है।

विभाग के निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मीडिया का क्षेत्र केवल रोजगार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सृजनशीलता का मार्ग है। विद्यालय से आई शिक्षिकाओं और शिक्षकों ने इस भ्रमण को अत्यंत उपयोगी और प्रेरक बताया। कार्यक्रम में डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका, डॉ. बीनम यादव, लव कुमार, मितेंद्र कुमार गुप्ता, आरजे पीयूष गांधी, ज्योति वर्मा, राकेश कुमार, उपेश दीक्षित सहित विभाग के कई शिक्षक– शिक्षिकाएँ उपस्थित रहे।

गाजियाबाद की छात्राओं ने भी भ्रमण किया

गाजियाबाद के डासना स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की कक्षा नौवीं और 10वीं की छात्राओं ने सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल का शैक्षणिक भ्रमण किया। छात्राओं को अखबार तैयार करने की संपूर्ण प्रक्रिया, समाचार संकलन, संपादन व लेआउट तैयार करने की विधियों, न्यूज चौनल के समाचार प्रस्तुतीकरण, एंकरिंग और वीडियो एडिटिंग की प्रक्रिया को बारीकी से समझाया गया।

पांच छात्र–छात्राओं को मिला प्लेसमेंट

मेरठ। सर छोटूराम इंजीनियरिंग कॉलेज में निर्वानराज एनर्जी ने प्लेसमेंट ड्राइव करते हुए साक्षात्कार लिया। बीटेक केमिकल इंजीनियरिंग के 15 छात्रों ने हिस्सा लिया। कंपनी से ई. राजीव चौधरी ने छात्रों से बात की। राज सिंह, मोहित तिवारी, मिथिलेश चौहान, मनीष चौधरी और उज्जवल कुमार को केमिकल इंजीनियर ट्रेनी प्रोफाइल के लिए चुना। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला, डीन टेक्नोलॉजी प्रो. संजय भारद्वाज, निदेशक डॉ. नीरज सिंघल, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट इंचार्ज डॉ. पंकज, पीयूष बत्रा एवं रंजू अरोड़ा ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएं दी।

प्राचीन भारत पुस्तक का विमोचन

मेरठ। इतिहास विभाग में प्राचीन एवं पूर्ण मध्यकालीन भारत पुस्तक का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। यह पुस्तक विश्वविद्यालय से संबद्ध राजकीय महाविद्यालय, जेवर की असिस्टेंट प्रो. डॉ. अल्पना पोसवाल और डॉ. अरविंद कुमार द्वारा सह–लेखित है, जिसे बुक क्लिनिक पब्लिशिंग, उड़ीसा ने प्रकाशित किया है। कार्यक्रम का शुभारंभ विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णकांत शर्मा के नेतृत्व में हुआ। उन्होंने प्रो. विघ्नेश कुमार, प्रो. आराधना, प्रो. एवी कौर और प्रो. वंदना समोल्टी के साथ मिलकर पुस्तक का लोकार्पण किया।

पल्लव का राष्ट्रीय स्तर पर चयन

मेरठ। सर छोटू राम इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र पल्लव चौधरी को प्रतिष्ठित इंडियन मिलिट्री एकेडमी अटैचमेंट कैंप के लिए चयनित किया गया है। यह शिविर 22 दिसंबर से 02 जनवरी तक देहरादून में आयोजित होगा। पल्लव चौधरी वर्तमान में बीटेक (सूचना प्रौद्योगिकी) के चौथे वर्ष के छात्र और 71 यूपी बटालियन एनसीसी के अंडर ऑफिसर हैं। वे एनसीसी 'बी' सर्टिफिकेट धारक हैं और 'सी' सर्टिफिकेट में नामांकित हैं। पूरे देश के लगभग 17 लाख एनसीसी कैडेट्स में से केवल 120 सीनियर डिवीजन कैडेट्स को इस विशेष शिविर के लिए चुना गया है।

मान्यवर कांशीराम पर संगोष्ठी

मेरठ। बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के अवसर पर विश्वविद्यालय में 'मान्यवर कांशीराम जी : सामाजिक न्याय एवं सामाजिक समरसता' विषय पर संगोष्ठी हुई। एक राष्ट्र एक शिक्षा विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता भी हुई। सांसद डा. राजकुमार सांगवान ने छात्रों को कांशीराम सहित अन्य विद्वानों पर गहन शोध करने को प्रेरित किया। सांख्यिकी विभाग की पांच छात्राओं को टैबलेट प्रदान किया गया।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

दीया एवं रंगोली प्रतियोगिता : मिशन शक्ति के तहत महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा स्ट्रीट गुरुकुल में दीपावली के उपलक्ष्य में बच्चों ने दीए सजाए व रंगोलियाँ बनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. बिदु शर्मा ने की।

रूस का सहयोग खोलेगा बड़े शैक्षिक अवसर

रूस के चार प्रमुख विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों का प्रतिनिधिमंडल चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में पहुंचा

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिह विश्वविद्यालय मे रूस के चार प्रमुख विश्वविद्यालयो के शिक्षाविदो का प्रतिनिधिमडल पहुचा। सृजन सचार के सहयोग से आयोजित इस उच्चस्तरीय कार्यक्रम का उद्देश्य भारत और रूस के बीच शिक्षा, अनुसधान, संस्कृति और उद्योग–अकादमिक सहयोग को नई ऊचाइयो तक ले जाना रहा। प्रतिनिधिमडल मे शामिल शिक्षाविदो स्वागत ललित कला विभाग मे हुआ।

अतिथियो मे पीटर द ग्रेट सेट पीटर्सबर्ग पालिटेक्निक यूनिवर्सिटी से डा ओल्गा एगुनोवा, रेनेपा सेट पीटर्सबर्ग से डा मरीना मोरोजोवा, यूराल स्टेट यूनिवर्सिटी आफ इकोनोमिक्स से डा याना स्तारोवोइतवा, सेट पीटर्सबर्ग स्टेट यूनिवर्सिटी आफ इकोनोमिक्स से डा अन्ना स्कोबेल्जिना शामिल है।

रूसी प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के साथ कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और विश्वविद्यालय की वरिष्ठ शिक्षाविद।

प्रतिनिधिमडल ने विश्वविद्यालय पहुचकर कुलपति प्रोफेसर सगीता शुक्ला से भेट की। कुलपति ने रूसी शिक्षाविदो का स्वागत किया। बैठक के दौरान दोनो पक्षो ने 'उच्च शिक्षा के भविष्य को मिलकर आकार देना' विषय पर विस्तृत विचार–विमर्श किया। बैठक मे सयुक्त अनुसधान, शिक्षक व छात्र विनिमय कार्यक्रम, आनलाइन पाठ्यक्रम, सतत विकास, स्मार्ट सिटी, शिक्षा का डिजिटल रूपातरण और पर्यटन व आतिथ्य शिक्षा जैसे क्षेत्रो मे आपसी सहयोग की सभावनाओ पर चर्चा की गई।

कुलपति प्रो सगीता शुक्ला ने कहा, यह दौरा विश्वविद्यालय की वैश्विक उपस्थिति को सशक्त बनाने की दिशा मे एक ऐतिहासिक कदम है। रूस के शीर्ष विश्वविद्यालयो से सहयोग हमारे विद्यार्थियो के लिए अतरराष्ट्रीय अवसरो द्वार खोलेगा।

डा ओल्गा एगुनोवा ने कहा कि सीसीएसयू की उपलब्धियों और इसके विविध शैक्षणिक विस्तार को देखकर अत्यत उत्साहित हू। यहा विज्ञान, कृषि, कला, सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रो मे जो प्रगतिशील कार्य हो रहे है, वे अतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग की असीम सभावनाए प्रस्तुत करते है। विद्यार्थियो और शिक्षको मे सीखने की गहरी उत्सुकता और कौशल विकास के प्रति समर्पण दिखाई देता है।

डा मरीना मोरोजोवा ने कहा, हमारा सस्थान रेनेपा सेट पीटर्सबर्ग रूस मे व्यवसाय और इवेट टूरिज्म के क्षेत्र मे अग्रणी है। उन्होने विश्वास जताया कि भारत और रूस मिलकर पर्यटन, सस्कृति और व्यापार शिक्षा के क्षेत्र मे नए उदाहरण स्थापित करेगे। डा याना स्तारोवोइतवा ने कहा कि भारत की सस्कृति और शिक्षा प्रणाली को करीब से देखने का यह अनुभव हमारे लिए अमूल्य रहा। रूस और भारत के बीच होने वाले सास्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रम दोनो देशो के युवाओ को एक–दूसरे से सीखने और वैश्विक नागरिकता की भावना विकसित करने का अवसर देगे।

डा अन्ना स्कोबेल्जिना ने कहा कि हमे गर्व है कि हमारा विश्वविद्यालय भारत जैसे गतिशील देश के साथ सहयोग की दिशा मे ठोस कदम बढा रहा है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा अनिल कुमार यादव, वित्त अधिकारी रमेश चद्र, परीक्षा नियत्रक वीरेद्र कुमार मौर्य उपस्थित रहे।

'वीकेंड अभिव्यक्ति' कार्यक्रम में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

परिसर संवाददाता

मेरठ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में प्रत्येक शनिवार 'वीकेंड अभिव्यक्ति' नाम से कार्यक्रम होता है, जिसमें क्विज और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। इसके बाद विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत किया जाता है।

27 सितंबर के आयोजन में क्विज में एकलव्य तोमर, अब्दुल्ला हसन, आर्यन वर्मा ने संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल किया। भाषण प्रतियोगिता में प्रियांशु चौधरी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

चार अक्टूबर के कार्यक्रम में क्विज में अब्दुल्ला हसन ने पहला स्थान पाया। भाषण प्रतियोगिता में दीपक विजेता बने। फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी हुई जिसमें कृष्णा भाटिया ने पहला स्थान पाया।

7 नवंबर के कार्यक्रम में अनुष्का दीक्षित ने भाषण प्रतियोगिता में बाजी मारी। क्विज प्रतियोगिता में आर्यन वर्मा ने पहला स्थान प्राप्त किया।

प्रत्येक आयोजन में विजेता छात्र–छात्राओं को उपयोगी पुस्तकें, पेन और अन्य उपहार देकर पुरस्कृत किया गया। इस दौरान निदेशक प्रशांत कुमार, डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ, दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, ज्योति वर्मा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रमों का संचालन लव कुमार सिंह ने किया।

जयंती पर दुर्गाभाभी को याद किया

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू कैपस स्थित दुर्गाभाभी बालिका छात्रावास मे क्रातिकारी दुर्गाभाभी की जयती मनाई गई। बतौर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो सगीता शुक्ला ने कहा कि दुर्गाभाभी का जीवन साहस, त्याग और मातृभूमि के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। वर्तमान पीढी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

प्रोवीसी प्रो मृदुल गुप्ता ने कहा दुर्गाभाभी भारतीय महिला चेतना का प्रतीक थी। उन्होने समाज मे नारी सश क्तिकरण की नीव रखी। छात्राओ ने देशभक्ति गीत, नृत्य, टॉक शो, कविता और सवाद के जरिए दुर्गा भाभी के जीवन से प्रेरणा लेने का सकल्प लिया।

रजिस्ट्रार डॉ अनिल कुमार, वित्त अधिकारी रमेश चन्द्र, मुख्य अभियता मनीष मिश्रा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो भूपेन्द्र कुमार, मुख्य कुलानुशासक प्रो बीरपाल सिह, मुख्य छात्रावास अधीक्षक प्रो दिनेश कुमार, वार्डन डॉ सरु कुमारी, सहायक वार्डन प्रो नाजिया तरन्नुम, निधि भाटिया, मीनाक्षी, रामिता, ममता मौजूद रहे।

क्रांतिकारी दुर्गा भाभी की जयंती के आयोजन में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला भी शामिल हुईं।

यूरोप में सीसीएसयू ने छोड़ी अपनी छाप

परिसर संवाददाता

मेरठ। अमेरिका, कनाडा, ब्राजील, चीन, कोरिया और जापान सहित यूरोप के सभी देशो के वैज्ञानिको के बीच चौ चरण सिह विवि ने अपनी छाप छोडी है। पौलेड की वारसॉ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी मे यूरोपियन मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी द्वारा हुए व्याख्यान मे सीसीएसयू से भौतिक विज्ञान के प्रोफेसर डॉ सजीव कुमार शर्मा आमत्रित किए गए।

यूरोपियन मैटेरियल्स रिसर्च सोसाइटी (ई–एमआरएस) मे प्रो सजीव कुमार शर्मा सीसीएसयू से लेक्चर देने वाले पहले प्रोफेसर है। उन्होने चेक गणराज्य मे चेक टेक्निकल यूनिवर्सिटी (सीटीयू) के साथ एमओयू साइन किया है। इससे भविष्य मे सीसीएसयू प्रो शर्मा ने सबसे पहले इस सम्मेलन मे सीसीएसयू पर केद्रित लघु फिल्म दिखाई। इसके बाद प्रो शर्मा ने कार्बन–डाइ–ऑक्साइड और कार्बन मोनो–ऑक्साइड को हटाने के लिए विकसित तकनीक प्रस्तुत की।

प्रो शर्मा ने कहा कि यह तकनीक ग्लोबल वार्मिंग से जूझती दुनिया को बचाने मे निर्णायक हो सकती है। अमेरिकी वैज्ञानिको ने प्रो शर्मा द्वारा उक्त गैसो के निपटारे के लिए विकसित नैनोस्पज मे रुचि दिखाई। यह नैनो स्पज इन दोनो हानिकारक गैसो को डाइ मिथाइल कार्बोनेट एव मैथोनॉल मे बदल देती है। प्रो सजीव शर्मा, सिलेसियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी प्रो डेविड जानस से भी मिले। प्रो सजीव के अनुसार पेरागुए स्थित चेक टेक्निकल यूनिवर्सिटी और भौतिक विज्ञान विभाग सीसीएसयू के बीच एमओयू साइन किया गया है। इसमे विवि से अधिक छात्र एमटीयू मे यूरोपियन फैलोशिप प्रोग्राम के तहत पीएचडी मे प्रवेश ले सकेगे।

जयंती पर डॉ. कलाम को याद किया : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम जयंती पर डॉ. कलाम छात्रावास मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चीफ वार्डन प्रो. दिनेश कुमार और वार्डन प्रवीण कुमार ने छात्रो को डॉ. कलाम के विचारो पर चलने को कहा।

सरदार ने भारत की आत्मा को एक सूत्र में पिरोया

पटेल की 150वीं जयंती एवं जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) मे राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वी जयती एव जम्मू और कश्मीर तथा लद्दाख के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतिहासकार प्रो केडी शर्मा ने कहा, लौह पुरुष सरदार पटेल ने केवल रियासतो का एकीकरण नही किया, भारत की आत्मा को एक सूत्र मे पिरोया है। कार्यक्रम का आयोजन साहित्यिक सांस्कृतिक परिषद की ओर से अटल सभागार मे किया गया जिसमें राज्य लोक नृत्य, भाषण प्रतियोगिता, विशेष लघु फिल्म का प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता एवं रंगोली–प्रादेशिक विशेषताए प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

व्याख्यान का विषय जम्मू कश्मीर और सरदार वल्लभभाई पटेल रहा। मुख्य वक्ता इतिहासकार प्रो केडी शर्मा रहे। उन्होने सरदार पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर अपने गहन शोध और सस्मरण साझा करते हुए बताया कि यह उनके जीवन का पहला और सबसे समर्पित शोध कार्य है। उन्होने गुजरात, साबरमती आश्रम, नर्मदा तट और सरदार पटेल के परिवार के साथ समय बिताकर उनसे जुडी दुर्लभ सामग्रियो और सस्मरणो का सग्रह किया। प्रो शर्मा ने राजा हरि सिह से लेकर जम्मू–कश्मीर के भारत मे विलय की पूरी ऐतिहासिक प्रक्रिया पर किए अध्ययन को बताया। तत्कालीन गृहमत्री सरदार पटेल और प्रथम प्रधानमंत्री प जवाहरलाल नेहरू के बीच हुए पत्राचार के कई प्रमाणिक अश उद्धृत किए, जिनसे तत्कालीन परिस्थितियो की झलक मिलती है।

कुलपति प्रो सगीता शुक्ला ने कहा, राष्ट्रीय एकता दिवस केवल औपचारिक आयोजन नही है, बल्कि यह हर नागरिक के लिए आत्मसकल्प का दिवस है।

पत्रकारिता विभाग के निदेशक प्रो प्रशात कुमार के निर्देशन मे जम्मू–कश्मीर और लद्दाख के पूरे सफर पर बनी लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। छात्रा खुशी वर्मा के प्रस्तुतिकरण को सभी ने सराहा। 10 प्रतिभागियो ने जम्मू–कश्मीर एव लद्दाख का प्रतिनिधित्व करते हुए मनोहारी लोकनृत्य की प्रस्तुति की। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत प्राकृतिक सुदरता, लोक सस्कृति, कश्मीरी शिल्प, लद्दाखी जीवन शैली और देशभक्ति पर प्रकाश डालते हुए 32 चित्रो की प्रदर्शनी से हुई।

सीसीएसयू मे पढ रहे तीन विद्यार्थियो हरिस अहाद वणी (कश्मीर), गौरव सिह, आशीष शर्मा एव पूजा बाली निवासी जम्मू को सम्मानित किया गया। भाषण मे सारिका प्रथम, तसनीफ जैदी द्वितीय व आकाशा तृतीय को सात्वना पुरस्कार मिला। राज्य थीम प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मे 71 मे से 20 विद्यार्थियो ने पूरे 20 अक प्राप्त किए। सयोजक समन्वयक साहित्यिक सास्कृतिक परिषद प्रो कृष्णकात शर्मा, अध्यक्ष प्रो नीलू जैन गुप्ता व प्रो राकेश शर्मा रहे। सचालन छात्र आर्यन व छात्रा अनन्या ने किया। कुलसचिव डा अनिल कुमार यादव, प्रो विघ्नेश त्यागी, प्रो. जमाल अहमद सिद्दीकी, इजीनियर प्रवीण पवार व मितेद्र कुमार गुप्ता समेत बडी सख्या मे छात्र–छात्राए मौजूद रहे।

जम्मू–कश्मीर के स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोलते इतिहासकार प्रोफेसर केडी शर्मा (ऊपर बाए) और कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला (ऊपर दाए), कार्यक्रम के दूसरे दिन पुरस्कृत छात्र–छात्राओं के साथ अतिथिगण (ऊपर बीच मे) और पहले दिन दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

अंडमान–निकोबार का स्थापना दिवस मनाया

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में अंडमान और निकोबार स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया।

विद्यार्थियों ने द्वीपसमूह की समृद्ध विरासत को लघु फिल्म, भाषण, क्विज, रंगोली और लोक नृत्य से जीवंत किया। अध्यक्ष प्रो. नीलू जैन गुप्ता, अध्यक्ष प्रो. हरे कृष्ण ने दीप प्रज्वलन कर शुभारंभ किया। प्रो. हरे कृष्ण ने कहा द्वीप हमारी सास्कृतिक विविधता का प्रतीक हैं।

28 चित्रों की प्रदर्शनी मे जनजातीय परंपराएं, समुद्री इतिहास व देशभक्ति झलकी आदि की प्रस्तुति दी गई। पत्रकारिता विभाग की लघु फिल्म ने इतिहास–पर्यावरण पर रोशनी डाली। भाषण प्रतियोगिता में तस्नीफ जैदी प्रथम, अपेक्षा द्वितीय, हंसिका तृतीय और विवेक को प्रोत्साहन मिला। निर्णायक मंडल में डॉ. अंशु चौधरी और डॉ. डीएन भट्ट मौजूद रहे। क्विज में 84 प्रतिभागियों में 20 ने पूरे अंक हासिल किए। रमीता चौधरी के संयोजन में 12 छात्र–छात्राओं ने पारंपरिक परिधान व जनजातीय संगीत पर आधारित नृत्य से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। प्रो. नीलू जैन गुप्ता ने कहा, ऐसे कार्यक्रम सृजनशीलता व सद्भाव बढ़ाते हैं।

प्रो. संगीता शुक्ला व प्रो. फारूक बख्शी को सर सैयद पुरस्कार

मेरठ। चौधरी चरण सिह विश्वविद्यालय के उर्दू विभाग की पुरस्कार समिति ने प्रतिवर्ष दिए जाने वाले सर सैयद राष्ट्रीय व अतरराष्ट्रीय पुरस्कारो की घोषणा की।

इस वर्ष चौधरी चरण सिह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सगीता शुक्ला को शैक्षणिक सेवाओ के लिए, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद के पूर्व उर्दू विभागाध्यक्ष प्रोफेसर फारूक बख्शी को साहित्यिक सेवाओ के लिए और जागरूक नागरिक एसोसिएशन को सामाजिक सेवाओ के लिए यह पुरस्कार प्रदान किए जाएगे।

सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता में संतुलन बड़ी चुनौती

परिसर संवाददाता

मेरठ। विश्वविद्यालय के इस्टीट्यूट आफ लीगल स्टडीज के समन्वयक व एसोसिएट प्रोफेसर डा विवेक कुमार त्यागी ने ब्राजील के 1988 के सविधान की वर्षगाठ पर आयोजित विशेष कार्यक्रम मे भारत–ब्राजील के सवैधानिक और मानवाधिकार न्यायशास्त्र पर व्याख्यान दिया। उनको ब्राजील की सबसे बडी केद्रीय विश्वविद्यालय, फ्लूमिनेस फेडरल यूनिवर्सिटी मे आयोजित 'थर्ड कोलाक्वियम आन द सेलिब्रेशन 1988 ब्राजीलियन कान्स्टिट्यूशन एडवासेज एड सेटबैक्स आफ फडामेटल राइट्स इन द वर्ल्ड' के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप मे आमत्रित किया गया।

इस अतरराष्ट्रीय कोलाक्वियम मे डा त्यागी ने 'फडामेटल राइट्स ए ग्लोबल परस्पेक्टिव' विषय पर कहा कि यह सविधान विश्व भर मे मौलिक अधिकारो की रक्षा का मार्गदर्शक दस्तावेज बन चुका है। डा त्यागी ने कहा कि आज विश्व की सवैधानिक अदालतो के सामने राष्ट्रीय सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतत्रता के बीच सतुलन सबसे बडी चुनौती है।

उन्होने आतकवाद–रोधी कानूनो के सदर्भ मे और जलवायु परिवर्तन से जुडे अधिकारो से जुडे अतरराष्ट्रीय मामलो का उदाहरण देते हुए कहा कि आधुनिक काल मे डिजिटल निजता, गलत सूचना और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दे मानवाधिकारो के नए परीक्षण बन गए है।

डा विवेक त्यागी ने अतरराष्ट्रीय न्यायालय और सयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समिति के निर्णयो का उल्लेख किया जिसने यह स्पष्ट किया कि अतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून सभी राज्यो पर लागू होते है।

उन्होने यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय के निर्णय का भी उल्लेख किया, जिसमे अभिव्यक्ति की स्वतत्रता के अधिकार को नैतिकता और राष्ट्रीय सुरक्षा की सीमाओ के भीतर सरक्षित किया गया था।

सीसीएसयू के प्रोफेसर ने अंतरराष्ट्रीय कोलाक्वियम में मानवाधिकार पर दिया वक्तव्य

ब्राजील की सुप्रीम फेडरल कोर्ट के स्वास्थ्य के अधिकार को सवैधानिक दायित्व घोषित करना, भ्रष्टाचार विरोधी उपायो को सुदृढ करना और डिजिटल गोपनीयता को मौलिक अधिकार के रूप मे मान्यता देने जैसे मामलो को आधुनिक सवैधानिकता का उदाहरण बताया।

भारत के सदर्भ मे डा त्यागी ने कहा कि भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक निर्णयो के माध्यम से मौलिक अधिकारो को नए आयाम दिए है। केशवानद भारती बनाम केरल राज्य (1973) मे ससद की सशोधन शक्ति को सीमित करते हुए बेसिक स्ट्रक्चर सिद्धात की स्थापना की। मेनका गाधी बनाम भारत सघ (1978) मे अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतत्रता की व्याख्या को विस्तृत किया।